बिगड़ी बनाने वाला | by Mukesh Kumar

लेके अर्ज़ी बाबा जो भी खाटू धाम आये
मन इच्छा फल पाए बाबा बिगड़ी सबकी बनाये

तुम्ही हो जग के पालनहारे हे प्रभु शीश के दानी
सबके कारज पूरे करते तुम हो अन्तर्यामी
सदा उसके सर रहती है तेरी छाया
जो भी तुमको ध्याये बाबा बिगड़ी सबकी बनाये

सबकी बिगड़ी बनाते हो तुम जो भी दर पे आये
तेरी चौखट आते ही बाबा सोया नसीब जाग जाए
जो भी तुम्हे ध्याये बाबा मनचाहा फल पाए
जो भी द्वारे आये, बाबा मनचाहा वर पाए

हारे का प्रभु तुम हो सहारा श्याम धणी मेरे प्यारे
जो भी लेता नाम तुम्हारा उसको भव से तारे
हर दुखिया का दुःख हर लेते हो बाबा
जो भी द्वारे आये बाबा बिगड़ी सबकी बनाये

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%97%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-mukesh-kumar/